



## भारत-अमेरिका की आगामी 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता

### प्रलिस के लिये:

2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता, क्वाड

### मेन्स के लिये:

भारत-अमेरिका 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता का महत्त्व, भारत-चीन तनाव में अमेरिकी सहयोग की भूमिका

### चर्चा में क्यों?

अमेरिका द्वारा भारत-अमेरिका की आगामी 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच 'भू-स्थानिक सहयोग के लिये बुनियादी वनियम तथा सहयोग समझौते' (Basic Exchange and Cooperation Agreement for Geo-Spatial cooperation- BECA) पर हस्ताक्षर की इच्छा ज़ाहिर की गई है।

### प्रमुख बडि:

- भारत-अमेरिका की आगामी 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन अक्टूबर माह के अंत तक किये जाने का अनुमान है।
- भारत द्वारा इस संदर्भ में अपने सुझावों के साथ BECA का एक मसौदा अमेरिका को भेज दिया गया है।
- BECA, भारत को स्वचालित हार्डवेयर सॉफ्टवेयर और हथियार जैसे कर्ज़ और बैलसिटिक मसिाइलों से सटीक हमले के लिये अमेरिकी भू-स्थानिक मानचित्रों का उपयोग करने की अनुमति प्रदान करेगा।
- गौरतलब है कि भारत-अमेरिका मंत्रिस्तरीय 2+2 वार्ता में दोनों देशों के वडिश मंत्री और रक्षा मंत्री भाग लेते हैं।

### अन्य महत्वपूर्ण समझौते

- भारत और अमेरिका के बीच एक अन्य समुद्री सूचना समझौते को लागू करने का प्रयास कया जा रहा है।
- अमेरिका के साथ इस समझौते के लागू होने के बाद भारत द्वारा [क्वाड](#) (QUAD) के अन्य देशों ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ भी ऐसा समझौता लागू कया जाएगा।

### भारत अमेरिका रक्षा साझेदारी:

वर्ष 2016 के बाद से भारत और अमेरिका में तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर कये गए हैं।

- **लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट (Logistics Exchange Memorandum of Agreement- LEMOA):**
  - भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2016 में इस समझौते पर हस्ताक्षर कये गए थे, यह समझौता दोनों देशों के रक्षा बलों को एक-दूसरे की सुवधियों का उपयोग करने की अनुमति देता है। साथ ही उनके लिये रसद और सेवाओं की पहुंच को आसान बनाता है।
- **संचार संगतता और सुरक्षा समझौता (Communications Compatibility and Security Agreement- COMCASA):**
  - भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2018 में इस समझौते पर हस्ताक्षर कये गए थे, यह समझौता अमेरिका द्वारा भारत को उन्नत संचार उपकरण स्थानांतरित करने की अनुमति देता है। ये उपकरण दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच डेटा और वास्तविक समय की जानकारी के सुरक्षित प्रसारण की सुवधि प्रदान करते हैं।
- **सैन्य सूचना समझौते की सामान्य सुरक्षा (General Security Of Military Information Agreement- GSMIA):**
  - भारत और अमेरिका के बीच GSMIA पर वर्ष 2002 में ही हस्ताक्षर कये जा चुके थे परंतु दोनों देशों के बीच आयोजित [पछिली 2+2 वार्ता](#) के दौरान इससे जुड़े औद्योगिक सुरक्षा अनुबंध (Industrial Security Annex- ISA) पर हस्ताक्षर कये गए।
    - ISA भारतीय और अमेरिकी रक्षा उद्योग के बीच गोपनीय सैन्य सूचनाओं के आदान-प्रदान और संरक्षण के लिये एक ढाँचा प्रदान करता है।

## नौसैनिक सहयोग :

- भारत और अमेरिका के सैन्य संपर्क में वृद्धि के प्रयासों के तहत अमेरिका द्वारा भारतीय नौसेना के [सूचना संलयन केंद्र- हृदि महासागर कक्षेत्र](#) [Information Fusion Centre for Indian Ocean Region (IFC-IOR)] पर एक सूचना अधिकार की नियुक्ति की गई है।
- भारत द्वारा हाल ही में बहरीन स्थिति अमेरिकी नौसेना के मध्य कमान में एक संपर्क अधिकारी को तैनाती की गई है, साथ ही यू. एस. इंडो-पैसफिक कमांड (U.S. Indo-Pacific Command -USINDOPACOM) और 'यू. एस. स्पेशल ऑपरेशंस कमांड' (U.S. Special Operations Command- USSOCOM) में संपर्क अधिकारियों की तैनाती के अमेरिकी अनुरोध पर भी वचिार कथिा जा रहा है।

## आगामी 2+2 वार्ता का महत्त्व:

- भारत-चीन तनाव में वृद्धि के बीच हाल के वर्षों में कई महत्त्वपूर्ण कक्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग में वृद्धि हुई है, इसी क्रम में आगामी 2+2 वार्ता में भी अन्य कक्षेत्र के साथ रक्षा कक्षेत्र के कई महत्त्वपूर्ण समझौते हो सकते हैं।
- [वास्तविक नयितरण रेखा](#) (LAC) पर भारत-चीन तनाव और हृदि-प्रशांत कक्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रयिता के अलावा पनडुब्बी रोधी युद्ध, एंटी मसिाइल डफिंस, नेटवर्क सेंटरल वारफेयर आदि इस बैठक के प्रमुख मुद्दे होंगे।
- इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच COMCASA पर भी व्यापक चर्चा की उम्मीद है।
- बैठक के प्रमुख मुद्दों में हाल ही में हुए [संयुक्त अरब अमीरात-बहरीन-इजराइल समझौते](#), पश्चिमि एशयिया में बढ़ती अशांत, हृदि-प्रशांत कक्षेत्र, क्वाड, मानव रहति हवाई वाहन (UAV) का संयुक्त वकिसा आदि को शामिल कथिा जा सकता है।
- इस बैठक के दौरान अमेरिकी प्रशासन से 'एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली' (Integrated Air Defense Weapon System- IADWS) की बकिरी हेतु अनुमत-प्रत्र प्राप्त होने की भी उम्मीद है इस अनुमर्ता पात्र के मलिने के बाद अमेरिका के रेथयिऑन कॉरपोरेशन और कॉंग्रेसबर्ग डफिंस और एयरोस्पेस से वार्ता शुरु हो जाएगी।
- भारत-चीन तनाव को देखते हुए अमेरिका स्थति जनरल एटॉमकिंस से 30 UAV के लंबति सौदे पर भी वार्ता हो सकती है।
- गौरतलब है कि आगामी 2+2 वार्ता से पहले 9 सतिंबर को आयोजति एक वरचुअल बैठक में दोनों पक्षों के वरषिठ अधिकारियों के बीच COVID-19, आतंकवाद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता, हृदि-प्रशांत कक्षेत्र में सुशासन और सतत् वकिसा का समर्थन तथा दक्षिण एशयिया के साथ कई अन्य महत्त्वपूर्ण द्वपिक्षीय, कक्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

## चुनौतियाँ:

- अक्टूबर के अंत में संभावति आगामी 2+2 वार्ता के दौरान BECA को लागू कथिा जाने के बारे में अनश्चितता बनी हुई है, क्यॉकि अभी भी इस समझौते पर पूरी बातचीत समाप्त नहीं हुई है।
- इसके साथ ही इस वार्ता का समय नवंबर में आयोजति होने वाले अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति चुनावों के बलिकुल पास है परंतु अभी भी इसकी तथिका नरिधारण नहीं कथिा गया है।

## आगे की राह:

- हाल के वर्षों में भारतीय सीमा पर पाकस्तान और चीन की आक्रामकता में वृद्धि को देखते हुए भारत के लयि अपनी सैन्य शक्ति में वृद्धि करना बहुत ही आवश्यक है।
- भारत को हृदि-प्रशांत कक्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौती के खलिाफ सामान वचिारधारा वाले देशों को साथ लाने का प्रयास करना चाहयि साथ ही क्वाड जैसे मंचों के माध्यम से अन्य कक्षेत्रों के साथ नौसैनिक सहयोग को बढ़ाया जाना चाहयि।
- अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने में भारत के लयि रूस के साथ संबंध संतुलन को बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है, अतः भारत को इस दशिा में भी ध्यान देना होगा।

## स्रोत: द हृदि